पाठ 1. समानता

अध्याय-समीक्षा

- समानता के बिना सच्चे **लोकतंत्र** की कल्पना नहीं की जा सकती है |
- **समानता का अर्थ** यह है कि समाज में किसी व्यक्ति या वर्ग से जाति, रंग ,क्षेत्र ,धर्म, और आर्थिक स्तर पर भेदभाव की मनाही तथा सबको समान अवसर प्राप्त हो |
- समानता की माँग बीसवीं शताब्दी में एशिया और अफ्रीका के उपनिवेश विरोधी स्वतंत्रता संघर्षों के दौरान उठी थी|
- समानता व्यापक रूप से स्वीकृत आदर्श है, जिसे अनेक देशों के संविधान और कानूनों में सम्मिलित किया गया है।
- **समानता की अवधारणा** में यह निहित है कि सभी मनुष्य अपनी दक्षता और प्रतिभा को विकसित करने के लिए तथा अपने लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समान अधिकार और अवसरों के हकदार हैं।
- **समानता के उद्देश्य** की आवश्यकता यह है कि विभिन्न समूह और समुदायों के लोगों के पास इन साधनों और अवसरों को पाने का बराबर और उचित मौका हो।
- भारत में समान अवसरों के एक विशेष समस्या सुविधाओं की कमी की वजह से नहीं आती है, बल्कि कुछ सामाजिक रीति-रिवाजों के कारण सामने आती है। देश के विभिन्न हिस्सों में **औरतों को उत्तराधिकार का समान अधिकार** नहीं मिलता है |
- **आर्थिक असमानता** ऐसे समाज में विद्यमान होती है जिसमें व्यक्तियों और वर्गों के बीच धन, दौलत या आमदनी में विभिन्नताएं पायी जाती है ।
- निजी स्वामित्व मालिकों के वर्ग को सिर्फ अमीर नहीं बनाता बल्कि उन्हें **राजनीतिक ताकत** भी देता है।
- **नारीवाद** स्त्री-पुरुष के समान अधिकारों का पक्ष लेने वाला राजनीतिक सिद्धांत है। वे स्त्री या पुरुष नारीवादी कहलाते हैं, जो मानते हैं कि स्त्री-पुरुष के बीच की अनेक असमानताएँ न तो नैसर्गिक हैं और न ही आवश्यक।
- संविधान धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव करने का निषेध करता है। हमारा संविधान **छुआछूत** की प्रथा का भी उन्मूलन करता है।
- **सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार** हमें भारतीय लोकतंत्र में राजनितिक समानता प्रदान करता है |
- 18 वर्ष या उससे ऊपर के उम्र के सभी व्यक्तियों को बिना धर्म, जाति, लिंग अथवा रंगभेद के उसे वोट देने का अधिकार है, इसे ही **सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार** कहते हैं |
- निर्धन होने के अतिरिक्त भारत में लोगों को अन्य अनेक कारणों से भी असमानता का सामना करना पड़ता है।
- **'दलित'** एक ऐसा शब्द है, जो निचली कही जानी वाली जाति के लोग स्वयं को संबोधित करने के लिए प्रयोग में लाते हैं। 'दलित' का अर्थ होता है-कुचला हुआ या टूटा हुआ
  और इस शब्द का इस्तेमाल करके दलित यह संकेत करते हैं कि पहले भी उनके साथ बहुत भेदभाव होता था और आज भी हो रहा है।
- भारतीय लोकतंत्र में संविधान की नजर में कानून की नजर में सभी समान है, चाहे वे पुरुष हों या स्त्री, किसी भी जाति या धर्म से संबंध रखते हों, उनकी शैक्षिक और आर्थिक पृष्ठभूमि कैसी भी हो सभी समान है |

अभ्यास :

Q1. लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर : सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार महत्वपूर्ण है क्योंकि –

1. यह राजनीति में समानता को बढ़ावा देता है |

2. लोगों के बीच से भेद – भाव को कम करता है |

3. सरकार को चुनने में लोगो की भागीदारी को बढाता है |

Q2. बॉक्स में दिए गए संविधान के अनुच्छेद 15 के अंश को पुनः पढ़िए और दो ऐसे तरीके बताइए, जिनसे यह अनुच्छेद असमानता को दूर करता है?

उत्तर:

Q3. ओमप्रकाश वाल्मीकि का अनुभव, अंसारी दंपति के अनुभव से किस प्रकार मिलता था?

उत्तर: (i) ओमप्रकाश वाल्मीकि तथा अंसारी दंपति दोनों की गरिमा पर समान रूप से चोट किया गया था | वे दोनों ही असमान व्यवहार के शिकार बने थे |

(ii) ओमप्रकाश वाल्मीकि को उनकी निति जाती के कारण स्कूल में झाड़ू लगाना पड़ा जबकि अंसारी दंपति को उनके धर्म के कारण मकान देने से मना कर दिया गया था |

Q4. "कानून के सामने सब व्यक्ति बराबर हैं" -इस कथन से आप क्या समझते हैं? आपके विचार से यह लोकतंत्र में महत्त्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर : कानून के सामने सब लोग बराबर है, से निम्नलिखित तात्पर्य है :

(i) भारत के सभी नागरिकों, राष्ट्रपति से लेकर एक सामान्य घरेलू नौकर तक को, एक ही जैसे कानून का अनुपालन करना होता है |

(ii) किसी भी व्यक्ति के साथ उसके धर्म, जाती, लिंग या जन्मस्थान आदि के आधर पर भेदभाव नही किया जा सकता |

(iii) सभी लोगो को सभी सार्वजानिक जगहों पर जैसे – खेल का मैदान, होटल दुकान, बाज़ार, जन्म की जगह आदि का उपयोग करने के समान अधिकार है और इससे किसी को वंचित नहीं किया जा सकता है |

अतिरिक्त एवं उपयोगी प्रश्नोत्तर :

प्रश्न - गरिमा शब्द का अर्थ बताइए |

उत्तर - इसका तात्पर्य अपने-आपको और दुसरे व्यक्तियों को सम्मान योग्य समझने से है |

प्रश्न - संविधान क्या है ?

उत्तर - संविधान वह दस्तावेज है, जिसमें देश की जनता व सरकार द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों और अधिनियमों को निरुपित किया जाता है |

प्रश्न - नागरिक अधिकार आन्दोलन क्या है ?

उत्तर - एक आन्दोलन, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में 1950 के दशक के अंत में प्रारंभ हुआ और जिसमें अफ़्रीकी-अमेरिकन लोगों ने नस्लगत भेदभाव को समाप्त करने और समान अधिकारों की माँग की |

प्रश्न - भारत सरकार ने विकलांगता अधिनियम कब स्वीकृत किया ? यह अधिनियम विकलांग व्यक्तियों को कौन-कौन से अधिकार देता है ?

उत्तर - भारत सरकार ने 1995 में विकलांगता अधिनियम स्वीकृत किया था। यह कानून कहता है कि विकलांग व्यक्तियों को भी समान अधिकार प्राप्त हैं और समाज में उनकी पूरी भागीदारी संभव बनाना सरकार का दायित्त्व है। सरकार को उन्हें निःशुल्क शिक्षा देनी है और विकलांग बच्चों को स्कूलों की मुख्यधारा में सम्मिलित करना है। कानून यह भी कहता है कि सभी सार्वजनिक स्थल, जैसे-भवन, स्कूल आदि में ढलान बनाए जाने चाहिए, जिससे वहाँ विकलांगों वेफ लिए पहुँचना सरल हो।

प्रश्न - सभी लोकतांत्रिक देशो के लिए कौन –सा तत्व अप्रिहार्य है ?

उत्तर - सभी लोकतांत्रिक देशो के लिए सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार एक अप्रिहार्य तत्व है |

प्रश्न - सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार किस विचार पर आधारित है ?

उत्तर - सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार समानता के सिद्धांत पर आधारित है |

प्रश्न - मध्याहन भोजन कार्यक्रम क्या है ? इसके तीन लाभों का वर्णन कीजिए |

उत्तर - यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत सभी सरकारी प्राथमिक स्कूल के बच्चो को दोपहर का भोजन स्कूल द्वारा मुफ्त दिया जाता है |

इसके लाभ निम्नलिखित है |

1. दोपहर का भोजन मिलने के कारण गरीब बच्चो की उपस्थिति बढ़ गई |

2. इस कार्यक्रम से जातिगत भेदों को कम करने में भी सहायता मिली है |

3. इस योजना के कारण गरीब बच्चों का पेट भरने लगा जिसके कारण वे अपनी पढाई पर अधिक ध्यान देने लगे |

4. इस योजना के कारण गरीब बच्चों को पेट भर खाना मिलने लगा जिससे गरीब बच्चे कुपोषण का कम शिकार हुए |

प्रश्न - सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्या है ?

उत्तर - सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का अर्थ है कोई भी व्यक्ति जिसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो उसे वोट देने का अधिकार है चाहे वो किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो |

प्रश्न - भारत में असमानता का एक सामान्य रूप कौन-सा है?

उत्तर - जाति व्यवस्था, भारत में असमानता का एक सामान्य रूप है |

प्रश्न - 'जूठन' क्या है ?

उत्तर - 'जूठन' दलित लेखक ओमप्रकाश वाल्मीकि की आत्मकथा है |

प्रश्न - किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान को किस प्रकार ठेस पहुचाई जाती है ? अंसारी दंपति ने प्रोपर्टी डीलर के नाम बदल लेने की सलहा को क्यों टुकरा दिया ?

उत्तर - (i) जब व्येक्ती के साथ किसी भी आधार पर असमानता का व्यवहार किया जाता है तो उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुँचती है |

(ii) अंसारी दंपति ने प्रोपर्टी डीलर के नाम बदलने की सलाह को इसलिए ठुकरा दिया क्योकि इससे उनकी गरिमा तथा आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाती थी |